Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to regularise the academic calendar in universities of Bihar.

श्री जनक राम (गोपालगंज): बिहार राज्य के विश्वविद्यालयों में सत्र नियमित नहीं है, 2 से 3 साल ग्रेजुएशन (स्नातक) का सत्र विलंब से चल रहा है, यही हाल पोस्ट ग्रेजुएशन (स्नोतकोत्तर) का भी है, विश्वविद्यालयों में पीजी के सत्र भी 2 से 3 साल तक की देरी से चल रहे हैं, जे.पी. विश्वविद्यालय छपरा, एवं बाबासाहब भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर बिहार में ग्रेजुएशन और पीजी का सत्र नियमित नहीं है । इसका खामियाजा छात्र-छात्राओं का भुगतना पड़ रहा है । सरकार ने कई बार विश्वविद्यालयों को एक परीक्षा कैलेंडर और एक एकेडमिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया, लेकिन पालन नहीं हो सका है। विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए जुलाई से अगस्त तक का सत्र चलता है, वहीं पीजी का भी समेस्टर के आधार पर दिसंबर और मई-जून में परीक्षाएं होनी चाहिए । विश्वविद्यालयों में सत्र नियमित नहीं चलने से राज्य के छात्र अन्य राज्यों के छात्रों के तुलना में पीछे रह जाते हैं, नियमित समय पर छात्रों द्वारा विश्वविद्यालयों के सत्र और परीक्षाओं में देरी की समस्या उठायी जाती रही है । लेकिन स्थिति वैसी ही है । पटना विश्वविद्यालय-ग्रेजुएशन सत्र और पोस्ट ग्रेजुएशन का सत्र नियमित फरवरी से अप्रैल तक होता है। ग्रेजुएशन पार्ट वन, टू, थ्री की परीक्षा, तथा पीजी समेस्टर वन और थर्ड की परीक्षाएं दिसंबर में मगध विश्वविद्यालय में 2 से 3 साल की देरी चल रही है। ग्रेजुएशन का सत्र पार्ट वन की परीक्षा नहीं हुई, पार्ट टू की चल रही है ग्रेजुएशन का सत्र 2 साल देरी से चल रहा है । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय-ग्रेजुएशन व पीजी 2 साल लेट, कामेश्वर सिंह संस्कृत विवि-शास्त्री (ग्रेजुएशन) नियमित और आचार्य (पीजी) 2 साल विलंब, तिलका मांझी विश्वविद्यालय-ग्रेजुएशन 2 से 3 साल सत्र विलंब है पार्ट टू का फॉर्म विलंब से भरा गया, लेकिन परीक्षा की तारीख की घोषणा नहीं हुई है। 2014-17 पार्ट थर्ड की परीक्षा का फार्म देरी से भरा गया। 2013-16 सत्र आर्टस का रिजल्ट देर से निकला राज्य के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में सत्र नियमित नहीं है । सभी विश्वविद्यालयों को एक परीक्षा कैलेंडर बनाने का निर्देश भी दिया गया था, लेकिन यह अब तक लागू नहीं हो सका है । समय पर रिजल्ट नहीं आने के कारण आगे की पढ़ाई के लिए छात्रा को बाहर नामांकन नहीं हो पाता है । मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि विलंब से चल रहे विश्वविद्यालय ग्रेजुएशन का सत्र नियमित समयकाल के अंदर समाप्त किया जाए ।